TIMES OF INDIA, Ahmadabad, 2.9.2020
Page No. 1, Size:(18.86)cms X (12.58)cms.

After Mum, A'bad to get bullet train to Delhi

Prashant.Rupera
@timesgroup.com

While Ahmedabad-Mumbai bullet train corridor is 508 km long, Ahmedabad-Delhi corridor will be longer at 886 km

Vadodara: After Mumbai, Delhi too will not be far away in the future. The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is implementing the Ahmedabad-Mumbai bullet train project, has invited tenders to collect data for bullet trains connecting Ahmedabad to the country's national capital Delhi.

The NHSRCL officials said that while Ahmedabad-Mumbai bullet train corridor is 508 km long, the Ahmedabad-Delhi high speed rail (HSR) corridor is longer at 886 km.

The NHSRCL is a joint venture of government of India and participating state governments for implementation of HSRs across the country. "For Ahmedabad, this will be the second HSR corridor. We have invited tenders for collection of relevant data for the preparation of a detailed project report (DPR) for 886km long Delhi-Jaipur-Udaipur-Ahmedabad HSR corridor," said Sushma Gaur, NHSRCL spokesperson.

Tenders have also been invited for preparing general arrangement drawings (GADs) of crossing bridges over rivers/ canals/ railways and roads including expressways, national and state highways and major district roads and GADs of proposed stations and maintenance depots for the Delhi-Ahmedabad corridor.

▶Continued on P 4

TIMES OF INDIA, Ahmadabad, 2.9.2020
Page No. 1, Size:(18.86)cms X (12.58)cms.

Ridership study on Delhi-Ahmedabad corridor to be over in four months

▶Continue from P 1

Tenders have also been invited for preparing general arrangement drawings (GADs) of crossing bridges over rivers/ canals/ railways and roads including expressways, national and state highways and major district roads and GADs of proposed stations and maintenance depots for the Delhi-Ahmedabad corridor.

"The bids have also been invited to carry out ridership study (traffic study) for this corridor," Gaur said, adding that NHRSL will prepare DPR based on the data collected.

Going by the bidding document, the task has to be completed within four months. NHSRCL will carry out e-tendering process once the process is over.

Meanwhile, 80% land acquisition for the Ahmedabad-Mumbai bullet train project has been completed in Gujarat, NHSRCL officials said. They added that a 100% joint measurement survey has been carried out in the state.

"A lot of preliminary work like shifting of electrical towers, water pipelines, oil wells or other obstacles that were infringing upon the high speed rail corridor have been carried out. We are now working on the Sabarmati hub," said the official.

Since, the Ahmedabad HSR corridor will be integrated with the main railway line, platform number 10, 11 and 12 have been dismantled at the Kalupur railway station in Ahmedabad to pave way laying of metro tracks on one side.

AMAR UJALA, Delhi, 2.9.2020
Page No. 8, Size:(11.85)cms X (13.00)cms.

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन के लिए डाटा कलेक्शन टेंडर

नई दिल्ली। दिल्ली-वाराणसी के बाद दिल्ली-अहमदाबाद वाया जयपुर, उदयपुर बुलेट ट्रेन चलाने की कवायद शुरू हो गई है। दिल्ली-अहमदाबाद 886 किमी ट्रैक के लिए नेशनल हाई स्पीड ट्रेन कॉरपोरेशन डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार कर रहा है। इस रूट पर तेज रफ्तार ट्रेन चलाने के लिए मंगलवार को डाटा कलेक्शन के लिए टेंडर जारी किया है। अहमदाबाद-मुंबई ही नहीं, अब देश के हर कोने में बुलेट ट्रेन चलाने की कवायद रेलवे ने शुरू की है। रेलवे की योजना है कि सात व्यस्त रूट पर बुलेट ट्रेन चलाई जाए। इसके लिए दिल्ली-वाराणसी (865 किमी) इसके डाटा कलेक्शन के लिए टेंडर जारी हो चुका है। दिल्ली-

अमृतसर (435 किमी), वाराणसी-हावड़ा (760 किमी), चैन्नई-मैसूर (435 किमी), मुंबई-नागपुर (753 किमी), मुंबई-हैदराबाद (711 किमी), दिल्ली-अहमदाबार (886 किमी) रेल रूट चुना गया है। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों के अनुसार डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार होने के बाद प्रोजेक्ट को गति मिलेगी। फिलहाल डाटा कलेक्शन के लिए दिल्ली-वाराणसी व दिल्ली-अहमदाबाद के लिए टेंडर जारी कर दिया है। ब्यूरो

HINDUSTAN, Delhi, 2.9.2020
Page No. 15, Size:(19.09)cms X (15.97)cms.

दिल्ली-अहमदाबाद कॉरिडोर की डीपीआर के लिए निविदाएं

नई दिल्ली | एजेंसियां

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दिल्ली- जयपुर-उदयपुर-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए निविदाओं के पहले सेट आमंत्रित किए हैं।

886 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के साथ कई कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव है। इनमें से एक मार्ग मुंबई- अहमदाबाद के बीच बनाया जा रहा है।

मंगलवार को मांगी गई निविदाओं में नदियों, नालों, नहरों, रेल और सड़कों के ऊपर बनाए जाने वाले पुलों के डिजाइन, प्रस्तावित स्टेशनों और रखरखाव डिपो की सामान्य व्यवस्था के रेखांकन, परिवहन अध्ययन और विभिन्न जानकारी और संबंधित सर्वेक्षण आदि प्रस्तुत करने होंगे। डीपीआर में इन मार्गों की व्यावसायिक व्यावहारिकता का भी अध्ययन किया जाएगा।

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 2.9.2020
Page No. 7, Size:(10.42)cms X (24.22)cms.

दिल्ली-अहमदाबाद दूसरी बुलेट ट्रेन परियोजना शुरू

नयी दिल्ली (एसएनबी)। राष्ट्रीय हाईस्पीड रेलवे निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दिल्ली से अहमदावाद तक 886 किलोमीटर लंवे देश की दूसरी वुलेट ट्रेन परियोजना की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए आंकड़े एकत्र करने के लिए आज निविदाएं जारी कर दी।

एनएचएसआरसीएल के अनुसार दिल्ली से जयपुर और उदयपुर के रास्ते अहमदावाद तक के इस कॉरिडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) वनाने के वास्ते तीन अलग-अलग क्षेत्रों के लिए आंकड़े जुटाने के लिए एजेंसियों के चयन के लिए निविदाएं भरने की अंतिम तिथि 21 सिंतवर से लेकर 28 सितंवर तक है।

सूत्रों के अनुसार परियोजना के लिए मार्ग के निर्धारण, पुलों, आरओवी, अंडरपास, एक्सप्रेसव्वे क्रॉसिंग आदि, यातायात एवं आय का अनुमान के वारे में आंकड़े एकत्र किये जाने के वाद परियोजना की लागत निर्धारित हो सकेगी और उसके वाद ही वित्तपोषण एवं व्यवहार्यता आदि तय किया जाएगा।

NAVODYA TIMES, Delhi, 2.9.2020
Page No. 7, Size:(19.61)cms X (4.99)cms.

दिल्ली-अहमदाबाद के बीच दूसरी बुलेट ट्रेन चलेगी, काम शुरू

राष्ट्रीय हाईस्पीड रेलवे निगम लिमिटेड ने दिल्ली से अहमदाबाद तक 886 किलोमीटर लंबे देश की दूसरी बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए परियोजना की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए आंकड़े एकत्र करने के लिए निविदाएं जारी कर दी गई हैं। एनएचएसआरसीएल की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने बताया कि दिल्ली से जयपुर और उदयपुर के रास्ते अहमदाबाद तक के इस कॉरिडोर के लिए डिटेल परियोजना रिपोर्ट बनाने के लिए तीन अलग-अलग क्षेत्रों के लिए आंकड़े जुटाने के लिए एजेंसियों के चयन के लिए निविदाएं भरने की अंतिम तारीख 21 सितंबर से लेकर 28 सितम्बर तक है।

VEER ARJUN, Delhi, 2.9.2020
Page No. 8, Size:(6.55)cms X (2.18)cms.

दिल्ली-अहमदाबाद दूसरी बुलेट ट्रेन परियोजना शुरू

नई दिल्ली, (विप्र)। राष्ट्रीय हाईस्पीड रेलवे निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने दिल्ली से अहमदाबाद तक 886 किलोमीटर लंबे देश की दूसरी बुलेट ट्रेन परियोजना की विस्तृत रूपरेखा तैयार करने के लिए आंकड़े एकत्र करने के लिए आज निविदाएं जारी कर दीं।

एनएचएसआरसीएल की प्रवक्ता सुषमा गौड़ ने आज यहां यह जानकारी दी। दिल्ली से जयपुर और उदयपुर के रास्ते अहमदाबाद तक के इस कॉरीडोर के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने के वास्ते तीन अलग अलग क्षेत्रों के लिए आंकड़े जुटाने के लिए एजेंसियों के चयन के लिए निविदाएं भरने की अंतिम तिथि 21 सितंबर से लेकर 28 सितंबर तक है। सूत्रों के अनुसार परियोजना के लिए मार्ग के निर्धारण, पुलों, आरओबी, अंडरपास, एक्सप्रेस-वे क्रॉसिंग आदि, यातायात एवं आय का अनुमान के बारे में आंकड़े एकत्र किये जाने के बाद परियोजना की लागत निर्धारित हो सकेगी और उसके बाद ही वित्तपोषण एवं व्यवहार्यता आदि तय किया जाएगा। मुंबई-अहमदाबाद हाईस्पीड रेललाइन के बाद यह देश की दूसरी हाईस्पीड परियोजना होगी। एनएचएसआरसीएल को सात हाईस्पीड परियोजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गयी है जिनमें दिल्ली से वाराणसी (865किमी), मुंबई से नागपुर (753 किमी), दिल्ली से अहमदाबाद (886 किमी), चेन्नई से मैसुरु (435 किमी), दिल्ली से अमृतसर (459 किमी), मुंबई से हैदराबाद (711 किमी) और वाराणसी से हावड़ा (760 किमी) की लाइनें शामिल हैं।

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 2.9.2020
Page No. 13, Size:(8.37)cms X (18.18)cms.

दिल्ली-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन की ओर बढ़ा पहला कदम

Veerendra.Kumar
@timesgroup.com

नई दिल्ली: दिल्ली से अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) चलाने की दिशा में नैशनल हाई स्पीड रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने पहला कदम बढ़ा दिया है। यह हाईस्पीड रेल कॉरिडोर 886 किलोमीटर लंबा होगा और दिल्ली से जयपुर, उदयपुर होते हुए अहमदाबाद तक जाएगा।

> 886 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर की डीपीआर से पहले स्टडी कराने के टेंडर जारी

इस कॉरिडोर पर कितने यात्री यात्रा करेंगे, यानी पैसेंजर ट्रैफिक क्या होगा, कहां नदियां, पुल या सुरंग को पार करना है उसकी ड्राइंग कैसी होगी व डेटा को कैसे विश्लेषण करेंगे इसका पता लगाने के लिए मंगलवार को तीन टेंडर जारी कर दिए हैं। तीन तरह की यह स्टडी होने के बाद फिर इस हाई स्पीड कॉरिडोर की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जाएगी। डीपीआर के आधार पर ही इस कॉरिडोर का निर्माण शुरू किया जाएगा। देश में सात हाई स्पीड रेल यानी कि बुलेट ट्रेन कॉरिडोर बनाने की योजना है।

इन सभी सात हाई स्पीड कॉरिडोर की कुल लंबाई करीब 5357 किलोमीटर हो जाती है। मुंबई-अहमदाबाद कॉरिडोर के अलावा ये 7 कॉरिडोर हैं दिल्ली-वाराणसी (865 किमी), मुंबई-नागपुर (753 किमी), दिल्ली-अहमदाबाद (886 किमी), चेन्नै-मैसूर (435 किमी), दिल्ली-अमृतसर (459 किमी), मुंबई-हैदराबाद (711 किमी) और वाराणसी-हावड़ा (760 किमी)।

अभी यहां चल रहा है काम : अभी मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड कॉरिडोर पर काम चल रहा है। इसके तहत आने वाले साबरमती हब पर निर्माण जारी है। बाकी टेंडर निकाले हुए हैं। इस कॉरिडोर पर पड़ने वाले बिजली के केबल व पानी की पाइप लाइनें, इलेक्ट्रिकल वायर, स्ट्रक्चर शिफ्ट करने का काम चल रहा है। इस कॉरिडोर के निर्माण का टारगेट दिसंबर, 2023 है। इस कॉरिडोर में कुल 12 स्टेशन होंगे और ट्रेन 320 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेगी। वहीं दिल्ली से वाराणसी के बीच हाई स्पीड रेल के लिए डीपीआर के लिए टेंडर निकाले जा रहे हैं।

DAINIK JAGRAN, Patna, 3.9.2020
Page No. 13, Size:(20.61)cms X (14.90)cms.

दिल्ली-वाराणसी समेत सात और मार्गों पर बुलेट ट्रेन की तैयारी

खुशखबरी : प्रस्तावित रूट में वाराणसी-हावड़ा और दिल्ली-अमृतसर भी हैं शामिल

नई दिल्ली, आइएनएस : अगर सबकुछ ठीक रहा तो देश में बुलेट ट्रेन का जाल बिछ जाएगा। पहली बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलाई जानी है। जापान के सहयोग से इस प्रोजेक्ट पर निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है। अब रेल मंत्रालय देश के सात अन्य मार्गों पर भी बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण कर रही राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) से इन प्रस्तावित सात कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा है।

अधिकारियों ने बताया कि जिन

रेल मंत्रालय ने एनएचएसआरसीएल से डीपीआर तैयार करने को कहा, कंपनी इन सभी सातों रूट का डाटा जुटा रही

सात कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन चलाने का प्रस्ताव है उनमें दिल्ली-वाराणसी (865 किलोमीटर), मुंबई-नागपुर (753 किमी), दिल्ली-अहमदाबाद (886 किमी), चेन्नई-मैसुरु (435 किमी), दिल्ली-अमृतसर (459 किमी), मुंबई-हैदराबाद (711 किमी) और वाराणसी-हावड़ा (760 किमी) कॉरिडोर शामिल हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कंपनी डीपीआर तैयार करने के लिए इन सभी सातों रूट का डाटा जुटा रही

है। एनएचएसआरसीएल फिलहाल मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 14 सितंबर, 2017 को 108 लाख करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखी थी। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा होने वाला है। दिसंबर, 2023 तक इसके निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन जमीन से लेकर आसमान और पानी के बीच से गुजरेगी। इसके लिए समुद्र में करीब 280 मीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी।

अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन की स्पीड 350 किलोमीटर प्रतिघंटे की होगी। इस तरह यह दो घंटे से भी कम समय में अहमदाबाद से मुंबई पहुंच जाएगी। अभी एक्सप्रेस ट्रेन से इसमें सात घंटे से अधिक का समय लगता है। जबकि, हवाई जहाज से भी अहमदाबाद से मुंबई पहुंचने में एक घंटा लग जाता है।

DAINIK JAGRAN, Prayagraj, 3.9.2020
Page No. 9, Size:(23.93)cms X (12.63)cms.

योजना | प्रस्तावित रूट में दिल्ली-वाराणसी और दिल्ली-अमृतसर भी शामिल, डीपीआर तैयार करने निर्देश

सात और मार्गों पर बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी

नई दिल्ली, आइएएनएस : अगर सबकुछ ठीक रहा तो देश में बुलेट ट्रेन का जाल बिछ जाएगा। पहली बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलाई जानी है। जापान के सहयोग से इस प्रोजेक्ट पर निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है। अब रेल मंत्रालय देश के सात अन्य मार्गों पर भी बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण करा रही राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) से इन प्रस्तावित सात कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा है।

अधिकारियों ने बताया कि जिन सात कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन चलाने का प्रस्ताव है उनमें दिल्ली-वाराणसी (865 किलोमीटर), मुंबई-नागपुर (753 किमी), दिल्ली-अहमदाबाद (886 किमी), चेन्नई-मैसुरु (435 किमी), दल्ली-अमृतसर (459 किमी), मुंबई-हैदराबाद (711 किमी) और वाराणसी-हावड़ा (760 किमी) कॉरिडोर शामिल है।

अधिकारियों ने बताया कि कंपनी डीपीआर तैयार करने के लिए इन सभी सातों रूट का डाटा जुटा रही है। एनएचएसआरसीएल फिलहाल मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण करा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 14 सितंबर, 2017 को 108 लाख करोड़ की परियोजना की आधारशिला रखी थी। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा होने वाला है। दिसंबर, 2023 तक इसके निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन जमीन से लेकर आसमान और पानी के बीच से गुजरेगी। समुद्र में करीब 280 मीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी। अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन की स्पीड 350 किलोमीटर प्रतिघंटे की होगी। इस तरह यह दो घंटे से भी कम समय में अहमदाबाद से मुंबई पहुंच जाएगी। अभी एक्सप्रेस ट्रेन से इसमें सात घंटे से अधिक का समय लगता है। जबकि, हवाई जहाज से भी अहमदाबाद से मुंबई पहुंचने में एक घंटा लग जाता है।

DIVYA BHASKAR, Ahmadabad, 3.9.2020
Page No. 2, Size:(15.72)cms X (9.08)cms.

ભાસ્કર વિશેષ | રેલવ મંત્રાલય NHRCLન દેશના અન્ય 6 રૂટ પર બુલેટ ટ્રેન પ્રાજક્ટના કામગારા સાપા

હવે અમદાવાદ-દિલ્હી વચ્ચે બુલેટ ટ્રેન દોડાવાશે

ઓમકારસિંહ ઠાકુર | અમદાવાદ

ેશનલ હાઈ સ્પીડ રેલ કોર્પોરેશન એનએચઆરસીએલ) હાલમાં મદાવાદને મુંબઈ સાથે જોડતા હાઈસ્પીડ બુલેટ) રેલ કોરિડોરની કામગીરી કરી રહી ે. રેલવે મંત્રાલયે હવે દેશના અન્ય 6 રૂટ ર બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની કામગીરી સોંપી ે. જેમાં અમદાવાદને દિલ્હી સાથે જોડતા મદાવાદ - ઉદયપુર - જયપુર - દિલ્હીના ૮૬ કિલોમીટર લાંબા દેશના સૌથી મોટા ૂટ પર બુલેટ ટ્રેન દોડાવાની પ્રક્રિયા શરૂ રાઈ છે. એનએચઆરસીએલ દ્વારા આ ૂટની ડિઝાઈન, ટ્રાફિક સ્ટડી સહિત ડિટેલ ોજેક્ટ રિપોર્ટ (ડીપીઆર) તૈયાર કરવાની ક્રિયા શરૂ કરવામાં આવી છે.

એનએચઆરસીએલના ઉચ્ચ ધિકારીએ આ પ્રોજેક્ટ અંગે વધુ માહિતી ાપતાં જણાવ્યું કે, રેલવેએ દેશના સૌથી ધુ વ્યસ્ત રહેતા 7 રૂટ પર બુલેટ ટ્રેન ોડાવવાની પ્રક્રિયા શરૂ કરી છે. આ તમામ રૂટ પર 300થી 320 કિલોમીટરની ઝડપે ટ્રેન દોડાવાશે.

બુલેટ ટ્રેન માટે નક્કી કરાયેલા 7 રૂટમાંથી અમદાવાદ - મુંબઈ રૂટ પર જમીન સંપાદન સહિતની કામગીરી ચાલી રહી છે અને આ પ્રોજેક્ટ ડિસેમ્બર 2023 સુધી પૂર્ણ કરી દેવાનો ટાર્ગેટ છે. જ્યારે બાકીના 7 રૂટ પર તબક્કાવાર કામગીરી શરૂ કરાઈ રહી છે. દિલ્હી-વારાણસી રૂટ પર હાલ ડીપીઆર તૈયાર કરવાની કામગીરી ચાલી રહી છે.

હવે અમદાવાદ - દિલ્હી રૂટ પર બુલેટ ટ્રેન માટે પ્રક્રિયા શરૂ કરાઈ છે. જેમાં ડેટા કલેક્શનની કામગીરી ઝડપી કરાઈ છે. જેમાં આ રૂટના કોરિડોરની સાથે જ ટ્રાફિક સર્વે, રોડ બ્રિજ, નદી અને કેનાલ પર આવનારા બ્રિજ, સ્ટેશન સહિત ડિટેલ પ્રોજેક્ટ રિપોર્ટ તૈયાર કરવા માટે ટેન્ડર બહાર પાડી દેવાયા છે. દિલ્હી-નોઈડા-આગરા-લખનઉ-વારાણસી રૂટ પર પણ બુલેટ ટ્રેન દોડાવવાની વિચારણા છે.

દેશમાં 7 રૂટ પર બુલેટ ટ્રેન દોડાવાશે

શહેર	કિલોમીટર
અમદાવાદ-વડોદરા-સુરત-મુંબઈ	503
અમદાવાદ-ઉદયપુર-જયપુર-દિલ્હી	886
દિલ્હી-નોઈડા-આગરા-લખનઉ-વારાણસી	865
મુંબઈ-પૂણે-હૈદરાબાદ	711
મુંબઈ-નાસિક-નાગપુર	753
ચેન્નઈ-બેંગલોર-મૈસૂર	435
દિલ્હી-ચંડીગઢ-લુધિયાના-જલંધર-અમૃતસર	459

અમદાવાદ-મુંબઈ રૂટ પર 70 ટકા જમીન સંપાદન

અમદાવાદ - મુંબઈ રૂટ પર એલિવેટેડ કોરિડોરની કામગીરી શરૂ કરતા પહેલા રૂટ પર વચ્ચે આવતી ઓફિસો, ઈલેક્ટ્રીકલ ટાવર, પાણી અને ગટર લાઈનો, તેલના કુવા વગેરે શિફ્ટ કરવાની કામગીરી ચાલી રહી છે અને મોટાભાગની કામગીરી પૂર્ણ થઈ છે અથવા અંતિમ તબક્કામાં છે. તેની સાથે જ સંપૂર્ણ રૂટ પર જમીન સંપાદનની પ્રક્રિયા ચાલુ છે અને ગુજરાતમાં 90 ટકા જ્યારે સંપૂર્ણ રૂટ પર 70 ટકા જેટલી જમીનનું સંપાદન કામ પૂર્ણ કરી દેવાયું છે. અમદાવાદમાં કાલુપુર રેલવે સ્ટેશનના પ્લેટફોર્મ નંબર 10, 11 અને 12ની જગ્યાએ બુલેટ ટ્રેન માટે સ્ટેશન તૈયાર કરાનાર છે. જેના માટે એનએચઆરસીએલે આ ત્રણેય પ્લેટફોર્મ તોડી ત્યાં સ્ટેશન તૈયાર કરવાની કામગીરી શરૂ કરી છે.

MILLENNIUM POST, Delhi, 2.9.2020
Page No. 4, Size:(7.96)cms X (5.12)cms.

RAILWAYS INVITES TENDERS FOR DPR OF DELHI-AHMEDABAD CORRIDOR

NEW DELHI: The National High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Tuesday invited its first set of tenders for the 886 km long Delhi-Jaipur-Udaipur-Ahmedabad high-speed corridor to kickstart preparations for formulating its detailed project report. This corridor is among the eight high-speed networks that the Railways is planning across the country, one of which — the Mumbai-Ahmedabad high-speed rail (HSR) — is under construction.

NAI DUNIYA, Gwalior, 3.9.2020
Page No. 1, Size:(20.68)cms X (11.31)cms.

सुविधा **प्रस्तावित रूट में दिल्ली-वाराणसी और दिल्ली-अमृतसर भी शामिल**

सात और मार्गों पर बुलेट ट्रेन की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर सबकुछ ठीक रहा तो देश में बुलेट ट्रेन का जाल बिछ जाएगा। पहली बुलेट ट्रेन मुंबई और अहमदाबाद के बीच चलाई जानी है। जापान के सहयोग से इस प्रोजेक्ट पर निर्माण कार्य शुरू भी हो चुका है। अब रेल मंत्रालय देश के सात अन्य मार्गों पर भी बुलेट ट्रेन चलाने की योजना पर काम कर रहा है। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का निर्माण करा रही राष्ट्रीय उच्च गति रेल निगम लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) से इन प्रस्तावित सात कॉरिडोर के लिए विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने को कहा है।

रेल मंत्रालय ने एनएचएसआरसीएल से डीपीआर तैयार करने को कहा

अधिकारियों ने बताया कि जिन सात कॉरिडोर पर बुलेट ट्रेन चलाने का प्रस्ताव है, उनमें दिल्ली-वाराणसी (865 किलोमीटर), मुंबई-नागपुर (753 किमी), दिल्ली-अहमदाबाद (886 किमी), चेन्नई-मैसुरु (435 किमी), दिल्ली-अमृतसर (459 किमी), मुंबई-हैदराबाद (711 किमी) और वाराणसी-हावड़ा (760 किमी) कॉरिडोर शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि कंपनी डीपीआर तैयार करने के लिए इन सभी सातों रूट का डाटा जुटा रही है। एनएचएसआरसीएल फिलहाल मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन कॉरिडोर का निर्माण करा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री शिंजो आबे ने 14 सितंबर, 2017 को 108 लाख करोड़ रुपये की इस महत्वाकांक्षी परियोजना की आधारशिला रखी थी। 508 किलोमीटर लंबे इस कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का काम लगभग पूरा होने वाला है। दिसंबर, 2023 तक इसके निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। अहमदाबाद से मुंबई के बीच बुलेट ट्रेन जमीन से लेकर आसमान और पानी के बीच से गुजरेगी। इसके लिए समुद्र में करीब 280 मीटर लंबी सुरंग बनाई जाएगी। अहमदाबाद-मुंबई के बीच चलने वाली बुलेट ट्रेन की स्पीड 350 किलोमीटर प्रतिघंटे की होगी। इस तरह यह दो घंटे से भी कम समय में अहमदाबाद से मुंबई पहुंच जाएगी। अभी एक्सप्रेस ट्रेन से इसमें सात घंटे से अधिक का समय लगता है। जबकि, हवाई जहाज से भी अहमदाबाद से मुंबई पहुंचने में एक घंटा लग जाता है।